“बीती विभावरी जाग री” (कवि -जयशंकर प्रसाद)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे खिड़कियाँ खुलने लगे गली-गली
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के |
पेड़ झुक झांकने लगे गरदन उचकाए |
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरके,
मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के |

(क) मेघों के आगमन की तुलना किससे की गई है?
(ख) गली-गली के दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने का कारण क्या है?
(ग) ‘बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी’ में कौन-सा अलंकार है?
(घ) गाँव में मेघों के आने की सूचना कौन दे रहा है?
(ड) गाँव के बड़े बुजुर्गों की भूमिका कौन निभा रहे हैं?

विदेश-यात्रा पर जाने वाले मित्र को मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना पत्र लिखिए|

_____ _____

_____ _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____|

_____

_____